Roll No : .....

Total No. of Questions : **3**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AP–502

M.A. (Final) Examination, 2021

SANSKRIT

Paper - IX (B)

(वर्ग आ वेदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि **पञ्चशताधिक** शब्देषु देयानि।

(i) वैदिक यज्ञानां परिचय प्रकाराञ्च प्रतिपादयत्।

(ii) मन्त्रपाठस्य कति भेदाः ? स्पष्टं कुरुत।

(iii) रुद्र देवस्य स्वरूपं लिखत।

(iv) विष्णु देवस्य स्वरूपं प्रतिपादयत।

(v) बाल गंगाधर तिलक भाष्यस्य परिचयं प्रतिपादयत।

(vi) अमूर्त देवानां परिचयं लिखत।

(vii) दयानन्दमते 'पुनर्जन्मविषयः'—इत्यस्य व्याख्या विधेया।

(viii) मोक्षमूलर महोदयस्य परिचयः विवेच्यताम्।

(ix) बृहद्देवतारीत्या सूक्तानां कति भेदाः ? लिखत।

(x) शौनक मते सूक्तस्य प्रधानदेवता कः ? स्पष्टीकुरुत।

खण्ड–ब प्रत्येक 8

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषाञ्चित् **पञ्च**प्रश्नानामुत्तरं द्विशत शब्देषु देयम्—

(क) वैदिक धर्मस्य विशेषताः प्रतिपादनीयाः।

(ख) वेदानाम पौरुषेयत्वं विवेच्यताम्।

(ग) दयानन्द मते 'वेद विषय विचारः'—इत्यस्य व्याख्या कार्या।

(घ) वैदिक देवानां वर्गीकरणं व्याख्यायत।

(ङ) महर्षि अरविन्दस्य व्याख्या पद्धतिः विवेचनीया।

(च) अधोलिखित श्लोकस्य सप्रसङ्ग व्याख्या करणीया—

न हि कश्चिदविज्ञाय याथातथ्येन दैवतम्।

लौक्यानां वैदिकानां वा कर्मणां फलमश्नुते॥

अथवा

अष्टौ यत्र प्रयुज्यन्ते नानार्थेषु विभक्तयः।

तन्नाम कवयः प्राहुर् भेदे वचन लिङ्गयोः॥

(छ) अधोलिखित श्लोकस्य सप्रसङ्ग व्याख्या करणीया–

न मृत्युरासीदित्येताम् आचिख्यासां प्रचक्षते।

अभिशापोऽप्रजाः सन्तु भद्रमाशीस्तु गोतमे॥

अथवा

विश्वानरश्च वै देवो रुद्राणां संस्तुतो गणः।

मरुतोऽंगिरसश्चैव पितरश्चर्भुभिः सह॥

खण्ड–स प्रत्येक 20

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः उत्तराणि पञ्चशत परिमितैः शब्दैः खलु देयानि–

(क) सायणभाष्यस्य वैशिष्ट्यं सप्रमाणं प्रतिपादयत।

(ख) 'बृहद्देवता'–ग्रन्थस्य प्रथमोऽध्यायस्य विषय विवेच्यताम्।

(ग) भावात्मक देवतानां स्वरूपं विवृण्वत।

(घ) स्वामी दयानन्दानुसारेण 'मुक्ति विषयः' इत्यस्य विवेचनं प्रतिपद्यताम्।